कोटद्वार,मंगलवार
28 मई 2024
वर्ष: 46
अंक: 37 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
ज
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

देहरादून से काठमांडू तक हवाई सेवा की तैयारी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार देहरादून से काठमांडू तक हवाई सेवा शुरू करने जा रही है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण(यूकाडा)ने देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच हवाई सेवा को टेंडर जारी किए थे। इस में दो कंपनियों ने रुचि दिखाई। यूकाडा के सीईओ सी.रविशंकर ने रविवार को देहरादून में इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टेंडर इसी सप्ताह खोले जाने है, जिसके बाद किसी एक कंपनी का चयन किया जाएगा। अनुबंध के बाद कंपनी को 60दिन में सेवा शुरू करनी होगी। शुरुआत में कंपनी के साथ एक साल का अनुबंध होगा। इसे एक साल और बढ़ाया जा सकेगा। अनुबंध के अनुसार कंपनी 70 सीटर विमान से सेवाएं देगी। कंपनी को सप्ताह में आने–जाने की तीन उड़ानें भरनी होंगी। सीटें खाली रहने पर सरकार नियमानुसार कंपनी को नुकसान की भरपाई करेगी। यह सेवा के शुरू होने के बाद जौलीग्रांट हवाई अड्डे को, इंटरनेशनल एयरपोर्ट की मान्यता मिल जाएगी। रविशंकर ने बताया कि इसमें चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद तेजी आएगी। जौलीग्रांट में कस्टम एंड इमिग्रेशन ऑफिस बनाया जा रहा है।

आजीवन कारावास की सजा काट रहा कैदी अब देगा एंट्रेंस परीक्षा , बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी इजाजत

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को अस्थायी जमानत दे दी है। यह मोहलत उसे इसलिए दी गई है ताकि वह 30 मई को होने वाली अपनी लॉ की प्रवेश परीक्षा में बैठ सके। जस्टिस एन आर बोरकर और जस्टिस सोमशेखर सुंदरेशन की पीठ ने यह फैसला लिया है।

सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा है कि दोषी लगभग 9 सालों से जेल में बंद है। इस दौरान उसे पहले भी कई बार जमानत मिल चुकी है, लेकिन उसने कभी भी मिली हुई आजादी का दुरूपयोग नहीं किया है। कोर्ट ने अपने दिए गए आदेश में भी इस बात का उल्लेख किया है। कैदी ने अपनी प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए एक हफ्ते की अस्थायी जमामत का आवेदन किया था। कोर्ट ने उसके पिछले बर्ताव को देखते हुए और साथ ही पंद्रह हजार रूपए की जमानत राशि पर उसे रिहा कर दिया है।जस्टिस बोरकर और सोमशेखर ने आवेदक की सभी दलीलें सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि "आवेदक लगभग नौ सालों से जेल में है ' यह भी मालूम पड़ता है कि मुकदमे के दौरान वह कुछ समय के लिए जमानत पर भी रहा है। लेकिन उसने उस दौरान कभी भी अपनी आजादी का फायदा नहीं उठाया है।"न्यायालय ने इस फैसले में शिक्षा के महत्व पर भी जोर डाला है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा उसके बेहतर भविष्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है। कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए कहा कि " सभी बातों को ध्यान में रखते हुए , हम आवेदक को एक सप्ताह की अवधि के लिए अस्थाई जमानत पर रिहा करने का समर्थन करते हैं।"बता दें कि साल 2021 के दिसंबर महीने में आवेदक को आईपीसी की धारा 302 (हत्या के अपराध) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस केस में वह अब तक लगभग नौ साल जेल में बिता चुका है।आवेदक की ओर से केस लड़ रहे एडवोकेट इरफान शब्बीर उनवाला ने उसकी कम उम्र और अच्छे वार्ताव का हवाला देते हुए कोर्ट के सामने अपील की थी। उन्होंने कैदी का प्रवेश पत्र भी आवेदन के साथ कोर्ट में पेश किया था।

वकीलों के काले कोट के खिलाफ क्यों सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई अर्जी, अंग्रेजों पर भी उठा सवाल

नई दिल्ली। काला कोट वकीलों की पहचान माना जाता है, लेकिन गर्मी में यह रंग न पहनने की सलाह दी जाती है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें गर्मियों के दौरान वकीलों के ड्रेस कोड में राहत देने की अपील की गई है। इसके तहत मांग गई है कि वकीलों को गर्मियों के दिनों काला कोट न पहनने की छूट दी जाए। याचिका में अदालत से मांग की गई है कि एडवोकेट ऐक्ट, 1961 के नियमों में संशोधन किया जाए। इससे वकीलों को गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से राहत मिल सकेगी।

'यात्रा समाधान' मोबाइल एप्लीकेशन श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं एक ही प्लेटफार्म पर देगा : धामी

● श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत दोनों मंडलों की कनेक्टिविटी पर दिया जाए विशेष ध्यान ● तीर्थाटन और पर्यटन मार्गों पर पार्किंग और मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए ● कैंची धाम के लिए शटल बस सेवा शुरू करने के दिये निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में चार धाम यात्रा, मानसखण्ड मदिंर माला मिशन, कैंचीधाम और पूर्णागिरी में विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में चारधाम यात्रा को सुगम और बेहतर बनाने के लिए 'यात्रा समाधान' मोबाइल एप्लीकेशन का प्रस्तुतीकरण भी किया गया। इस मोबाइल एप्लीकेशन का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं एक ही प्लेट-फार्म पर देना है। इस एप्लीकेशन के माध्यम से चारों धामों के निकटवर्ती पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल, पार्किंग और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से यात्रा से जुड़े सभी पक्षकार बीकेटीसी, मंदिर प्रशासन, होटल, टूर ऑपरेटर्स, ट्रांसपोर्टस आपस में जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आईटीडीए और पर्यटन विभाग को निर्देश दिये कि इस मोबाइल एप्लीकेशन को और बेहतर बनाने के लिए कार्य किये जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि चार धाम यात्रा में हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। चारों धामों की धारण क्षमता के अलावा यात्रा मार्ग के अन्य स्थलों पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों की धारण क्षमता का आंकलन करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि चार धाम यात्रा मार्गों और राज्य के तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर पार्किंग और मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव आवास विभाग को भेजे जाएं। चार धाम यात्रा के चरम सीमा वाली अवधि में हर साल के लिए विशेष प्लान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल सेवा शुरू होने से पहले रेल मार्गों पर और कर्णप्रयाग एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में पार्किंग एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी कार्य योजना के साथ कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री ने शासन और प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि इसी मनोयोग के साथ चार धाम यात्रा को आगे भी सुव्यवस्थित रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मई तक ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन बंद रखे जाए। कहा कि यात्रा के अनुरूप ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन पर आगे निर्णय लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने गढ़वाल और कुमांऊ कमिश्नर को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत रूट डायवर्ट प्लान पर भी कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम और पूर्णागिरी में भी श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही हैं।

केदारनाथ धाम में दर्शनों को पहुंच रहे विदेशी यात्री

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम में दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन की ओर से श्री केदारनाथ धाम पैदल यात्रा मार्ग पर की गई चाक-चौबंद व्यवस्थाओं से यह विदेशी नागरिक खासे प्रभावित नजर आ रहे हैं।

जापान के रहने वाले उका मोटो ने बताया कि वे गुरुग्राम में ऑटोमोटिव कंपनी के लिए काम करते हैं। उनकी श्री केदारनाथ धाम के दर्शनों की इच्छा थी और इसी को लेकर वह सड़क मार्ग से श्री केदारनाथ धाम पहुंचे।

उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम एक बहुत ही पवित्र स्थल है और यहां प्रशासन की ओर से बेहतर व्यवस्था की गई हैं। इसी तरह नेपाल से आये युवाओं ने बताया कि वे गौरीकुंड से ट्रैक करके यहां तक पहुंचे और धाम में पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से यहां आने की सोच रहे थे और यह सपने के सच होने जैसा लग रहा है।

उन्होंने कहा कि बाबा की मर्जी से इस बार उन्हें यहां आकर पुण्य कमाने का अवसर मिला। कहा कि यहां पर बहुत अच्छी व्यवस्थाएं सरकार ने की हैं और सब कुछ यहां अच्छे से चल रहा है।

जमीन घोटाला मामला : हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में दायर की जमानत याचिका, साढ़े तीन माह से जेल में हैं बंद

रांची , जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने अब झारखंड हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। इसके पहले 22 मई को उन्होंने ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बाद वापस ले ली थी। इस मामले में रांची की स्पेशल पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने 13 मई को हेमंत सोरेन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सोरेन की ओर से दाखिल जमानत याचिका में कहा गया है कि उनके खिलाफ जिस 8.86 एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हुए ईडी ने कार्रवाई की है, उससे संबंधित एक भी दस्तावेज ईडी के पास नहीं है। यह झारखंड की सीएनटी (छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट) के तहत भुईंहरी नेचर की जमीन है, जो किसी भी हाल में किसी व्यक्ति के नाम पर ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। याचिका में यह भी कहा गया है कि जमीन पर अवैध कब्जे में पीएमएलए के तहत शेड्यूल ऑफेंस का केस नहीं बनता। बहरहाल, सोरेन की इस याचिका पर फिलहाल सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है।

बता दें कि इस मामले में सोरेन ने ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। 21–22 मई को सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच ने इस याचिका पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई कि सोरेन की ओर से फाइल की गई पिटीशन में इस फैक्ट को छिपाया गया कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की स्पेशल कोर्ट संज्ञान ले चुकी है।

एल्विश यादव को बड़ी राहत, कोर्ट ने एनडीपीएस की दो धाराएं हटाई

ग्रेटर नोएडा , एल्विश यादव के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने एनडीपीएस की जिन 6 धाराओं को एल्विश यादव की एफआईआर में जोड़ा था, इनमें से दो धाराओं को कोर्ट ने खारिज करते हुए हटा दिया है। अब एनडीपीएस की चार धाराएं ही एल्विश पर लगी रहेंगी। बीते तीन दिनों से लगातार सूरजपुर के जिला कोर्ट में चल रही वकीलों की हड़ताल के चलते एल्विश यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हुई थी। गुरुवार को उम्मीद जताई जा रही है कि एल्विश यादव के वकील जमानत याचिका दायर करेंगे। एल्विश यादव पर दर्ज एफआईआर में पुलिस ने बुधवार को कोर्ट को बताया था कि उन्होंने एनडीपीएस की कई धाराओं को जोड़ा है।

अमित शाह वोट मांगने आए थे या धमकी देने, पंजाब में विधायक खरीदने की तैयारी: केजरीवाल

नई दिल्ली। अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के बाद पंजाब सरकार के न रहने की धमकी दी है। यह तानाशाही है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने अमृतसर में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने होम मिनिस्टर पर हमला बोलते हुए कहा कि वे कहते हैं कि पंजाब में भगवंत मान की सरकार नहीं रहेगी। यह तो तानाशाही है। शाह ने रविवार को लुधियाना में एक चुनावी रैली में कहा था कि भाजपा की जीत के बाद भगवंत मान सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी।इस पर जवाब देते हुए सोमवार को केजरीवाल ने अमृतसर में व्यापारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, क्या आपने अमित शाह का बयान सुना है? उन्होंने धमकी दी है। शुरुआत में उन्होंने पंजाबियों को बहुत

गालियां दीं। उन्होंने (शाह) धमकी दी है कि चार जून के बाद पंजाब सरकार गिर जाएगी और भगवंत मान मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, ह्यहमारे पास 92 सीटें (विधायक) हैं। आप (सरकार) कैसे गिरा सकते हैं? (देश में) तानाशाही है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता खुलेआम कह रहे हैं कि वे विधायकों को सीबीआई और ईडी से धमकाएंगे और फिर उन्हें ह्यखरीदह्ण लेंगे।

आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा, मैं उनसे (शाह से) कहना चाहता हूं। पंजाब के लोगों को धमकाओ मत, अन्यथा वे आपके लिए पंजाब में प्रवेश करना मुश्किल कर देंगे।

संपादकीय

यात्रा प्राधिकरण बेहतर या देवस्थानम

इस वर्ष की चार धाम यात्रा के दौरान शुरुआती दौर में ही पंजीकरण, परिवहन, पार्किंग तथा आवास की समस्या बड़े स्तर पर देखने को मिली जिसके कारण और व्यवस्थाओं पर भी नजर आई। एक लंबे समय से उत्तराखंड की चार धाम यात्रा समेत अन्य धार्मिक स्थलों को लेकर एक बोर्ड की जरूरत महसूस की जा रही थी ठीक वैसे ही जैसे कि वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और शिरडी में कार्य करती है। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल में देव स्थानम बोर्ड के गठन के पीछे भी यही अवधारणा थी कि सभी धार्मिक स्थलों को एक बोर्ड के तहत सम्मिलित कर यात्रियों के लिए सुख सुविधा एवं धार्मिक स्थलों का विकास किया जा सके। हालांकि इसका संत पुरोहितों एवं सामाजिक स्तर पर भी विरोध देखने को मिला जिसके बाद सरकार ने अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया। अब इस बार देवस्थानम बोर्ड तो नहीं लेकिन उसी तर्ज पर प्राधिकरण बनाने की सरकार तैयारी कर रही है जिसका उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। नई व्यवस्था बनाने के तहत चारधाम समेत प्रदेश के सभी प्रसिद्ध मंदिरों और धार्मिक मेलों के लिए यात्रा प्राधिकरण बनाए जाने की घोषणा के बाद अब शासन स्तर पर प्राधिकरण का प्रारूप तैयार करने के लिए शासन स्तर पर भाग दौड़ शुरु हो गई है। असल में जिस प्रकार से उत्तराखंड का चार धाम यात्रा आयोजन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकसित हुआ है उसके बाद यहां यात्रियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ी, लेकिन प्रबंधन व्यवस्था बिगड़ती चली गई। पूर्व सीजन में दर्शनों को लेकर श्रद्धालुओं को भारी और असुविधा का सामना करना पड़ा था और कई यात्री तो बिना दर्शन किए ही विवश होकर वापस लौट गए। इस वर्ष की यात्रा में भी शुरुआती दौर पर श्रद्धालुओं का जो सैलाब उमड़ कर सामने आया उसने सरकार की चार धाम व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए। अब तक यह स्पष्ट हो चुका था कि बिना कोई ठोस निर्णय लिए बिना चार धाम यात्रा को पुराने प्रारूप पर आयोजित करना संभव नहीं है और इसके लिए एक ऐसी व्यवस्था अमल में लानी जरूरी था जैसी की वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और शिर्डी में देखने को मिलता है। संबंधित विभागों को प्राधिकरण को प्रभावी बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा लेकिन एक सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि यात्र प्राधिकरण बनाने की जरूरत महसूस हुई है तो पूर्व में देव स्थानम बोर्ड का व्यापक विरोध क्यों किया गया था? देवस्थानम बोर्ड का उद्देश्य भी चार धाम यात्रा प्रबंधन को विकसित करना और श्रद्धालुओं की शुभ सुविधाओं से जुड़ा हुआ था, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत सरकार का यह प्रयास परवान नहीं चढ़ सका। बताया जा रहा है कि नए यात्रा प्राधिकरण के तहत सिर्फ चार धाम ही नहीं बल्कि मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले पूर्णागिरि, जोगेश्वर धाम, कैंचीधाम, देवीधुरा, कांवड़ मेले के आयोजन को लेकर भी नीति और व्यवस्था तैयार करेगा। देवस्थानम बोर्ड हो या फिर प्राधिकरण संस्था का उद्देश्य सिर्फ यह होना चाहिए कि यात्रियों को असुविधा का सामना न करना पड़े और हजारों मील की यात्रा करने के बाद सिर्फ अव्यवस्थाओं के कारण आराध्य देवों के दर्शनों से वंचित न होना पड़े। यहां सबसे बड़ी एक चुनौती सरकार के आगे संत पुरोहितों को विश्वास में लेने की भी होगी, क्योंकि पहले ही देवस्थानम बोर्ड को लेकर काफी बवाल पैदा हो चुका है इस स्थिति में प्राधिकरण का प्रारूप किस प्रकार होगा और यह किस अवधारणा के तहत कार्य करेगा इसकी ठोस रणनीति तैयार करने के साथ-साथ संत समाज एवं श्रद्धालुओं में भी विश्वास जागृत करना होगा। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया, चारधाम यात्रा को सुचारु करने के साथ ही यात्रा प्राधिकरण बनाने पर भी काम चल रहा है। यह प्राधिकरण चारधाम के साथ ही मानसखंड मिशन के तहत आने वाले प्रसिद्ध धामों के लिए आधारभूत सुविधाएं को लेकर योजना बनाएगा।

शास्त्रीय बौद्ध धर्म एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली

प्रो शांतिश्री धूलिपुडी पंडित

भारत की बौद्धिक एवं सभ्यतागत विरासत में बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत से इसका वैश्विक प्रसार हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा के निर्माण में शास्त्रीय भारतीय बौद्ध धर्म स्रोतों का मूल्यवान भंडार शामिल है। भारतीय आख्यान संरचना को इस दार्शनिक परंपरा को पुनर्भाषित और पुनर्स्थापित कर पुनः अंगीकार करना चाहिए। नागार्जुन (150–250 ईस्वी) एक महान भारतीय दार्शनिक एवं भिक्षु थे, जिन्हें तिब्बती एवं पूर्वी एशियाई महायान परंपराओं में द्वितीय बुद्ध भी कहा जाता है। वे वर्तमान आंध्र प्रदेश से थे और उन्होंने सभी धर्मों में शून्यता की केंद्रीय अवधारणा के इर्द–गिर्द महायान बौद्ध दर्शन को व्यवस्थित किया। उन्होंने मध्यमक या मध्य मार्गीय दर्शन प्रदान किया।

बौद्ध दर्शन की समावेशी एवं सार्वभौमिक प्रकृति भारतीय सभ्यता की विशिष्टताओं– विविधता, असम्मति और साहचर्य– को प्रतिबिंबित और रेखांकित करती है। अनेक धारणाओं के विपरीत, भारतीय ज्ञान प्रणाली में समावेशी भावना समाहित है, जो धार्मिक सीमाओं के परे जाकर प्रज्ञा के विविध स्रोतों को अंगीकार करती है। इस मूल्य के केंद्र में यह चेतना है कि ज्ञान सार्वभौमिक है और उसका विस्तार किसी भी धार्मिक परंपरा के दायरे से परे है। हालांकि हिंदू धर्म ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें वेद एवं उपनिषद जैसे मूलभूत पाठ भी शामिल हैं, पर भारतीय सभ्यता की बहुलवादी प्रकृति तथा विचारों के समन्वयक आदान–प्रदान को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है, जिससे इसकी बौद्धिक धरोहर समृद्ध हुई है।बौद्ध धर्म समावेशी मूल्य को अंगीकार करता है तथा वास्तविकता एवं मानव स्थिति पर विशिष्ट दृष्टि प्रदान करता है, जो हिंदू दर्शन तंत्र का विरोधाभासी नहीं, बल्कि पूरक है। महान दार्शनिक नागार्जुन ने अपनी रचना मूलमध्यमककारिका के माध्यम से महायान बौद्ध दर्शन से मध्यमार्गी दर्शन में योगदान दिया।

बौद्ध दर्शन की समावेशी एवं सार्वभौमिक प्रकृति भारतीय सभ्यता की विशिष्टताओं– विविधता, असम्मति और साहचर्य– को प्रतिबिंबित और रेखांकित करती है। अनेक धारणाओं के विपरीत, भारतीय ज्ञान प्रणाली में समावेशी भावना समाहित है, जो धार्मिक सीमाओं के परे जाकर प्रज्ञा के विविध स्रोतों को अंगीकार करती है। इस मूल्य के केंद्र में यह चेतना है कि ज्ञान सार्वभौमिक है और उसका विस्तार किसी भी धार्मिक परंपरा के दायरे से परे है। हालांकि हिंदू धर्म ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें वेद एवं उपनिषद जैसे मूलभूत पाठ भी शामिल हैं, पर भारतीय सभ्यता की बहुलवादी प्रकृति तथा विचारों के समन्वयक आदान–प्रदान को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है, जिससे इसकी बौद्धिक धरोहर समृद्ध हुई है।

बौद्ध धर्म समावेशी मूल्य को अंगीकार करता है तथा वास्तविकता एवं मानव स्थिति पर विशिष्ट दृष्टि प्रदान करता है, जो हिंदू दर्शन तंत्र का विरोधाभासी नहीं, बल्कि पूरक है। महान दार्शनिक नागार्जुन ने अपनी रचना मूलमध्यमककारिका के माध्यम से महायान बौद्ध दर्शन से मध्यमार्गी दर्शन में योगदान दिया। अपनी पुस्तक ह्यताओ ऑफ फिजिक्सह्ल में कापरा ने परमाणु एवं क्वांटम भौतिकी के क्षेत्र में शास्त्रीय भारतीय बौद्ध दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित किया है। यह आवश्यक है कि हम नागार्जुन के विचारों की पुनर्रचना करें।

उनकी रचना ह्यमूलमध्यमककारिकाह्ल के प्रारंभिक पद को देखें– ह्यस्वयं से नहीं, न ही अन्य से, न दोनों से भी नहीं, बिना कारण किसी की उत्पत्ति नहीं होती।ह्ल यह कारण और प्रभाव के कर्म सिद्धांत को स्थापित करता है, जो किसी रचनाकार ईश्वर या परस्पर अंतर्निर्भरता के संजाल से परे स्थित किसी अन्य तत्व के प्रति समर्पण के बिना संचालित होता है। कारणों के संजाल के अंतर्गत हर उत्पत्ति होती है, इसलिए कोई पृथक स्वतंत्र अस्तित्व संभव नहीं है। अंतर्निर्भर वास्तविकता में सभी मानसिक प्रक्रियाएं भी समाहित हैं। बुद्ध कहते हैं कि परम वास्तविकता भी स्व–अस्तित्व के बिना है।भारतीय ज्ञान तंत्र द्वारा प्रोन्नत बौद्ध धर्म की दार्शनिक अवधारणाओं में अन्य बातों के अलावा अनित्य और अनात्म भी शामिल हैं, जो सदियों से भारत में अध्ययन एवं शोध के विषय रहे हैं। बौद्ध परंपरा का अभिन्न तत्व ध्यान तनाव एवं अति–सक्रिय जीवनशैली जैसी आधुनिक चिंताओं के समाधान के लिए प्रभावी उपाय के रूप में सामने आया है। वैज्ञानिक शोधों से साबित हुआ है कि सचेतन जैसी ध्यान प्रक्रियाओं से मस्तिष्क में भावना, ध्यान और संवेदना से संबंधित सकारात्मक संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं।

किसी तरह के स्व–अस्तित्व नहीं होने की अवधारणा को ह्यशून्यताह्ल कहते हैं। इसके दो कारण हैं– एक, हर चीज क्षण में प्रवाहित होती है और दो, ये क्षण निरंतर प्रवाह में एक–दूसरे का स्थान लेते रहते हैं। ये क्षणिक धारावाहिक अस्तित्व परस्पर कारणों से संबद्ध होते हैं, जिसे प्रतीत्य–समुत्पाद के नाम से जाना जाता है। सभी घटनाएं, क्षण या वस्तुएं परस्पर संबद्ध है और अंतर्निर्भर हैं। सभी मानसिक प्रक्रियाएं भी अंतर्निर्भर वास्तविकता में शामिल हैं। अध्ययन के एक विषय तथा एक धार्मिक व्यवहार के रूप में बौद्ध धर्म सामाजिक स्तर पर महत्वपूर्ण हो जाता है, विशेषकर समुचित व्यवहार और सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाले नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में।

भारतीय समाज के वैविध्य परिदृश्य में ये अवधारणाएं समावेश और साहचर्य के साथ रहने को रेखांकित करती हैं। करुणा और जुड़ाव जैसी बौद्ध धारणाओं से प्रभावित लोगों में असाधारण रूप से सहयोग व सहकार की प्रवृत्ति होती है। यह आर्थिक संदर्भों में भी देखने को मिलता है। आर्थिक नीतियों में बौद्ध सिद्धांतों को शामिल कर भरोसे और दीर्घकालिक लाभ पर आधारित एक ठोस आर्थिक व्यवस्था स्थापित की जा सकती है। बौद्ध नैतिक मूल्यों को अपनाने और व्यक्तिगत कल्याण के बारे में हुए शोध रेखांकित करते हैं कि ऐसे लोग अधिक नैतिक, स्वस्थ, संतुष्ट एवं जुझारू होते हैं। ये शोध बौद्ध मूल्यों की निरंतर प्रासंगिकता को स्थापित करते हैं, जिनके आधार पर नैतिक जीवन और साहचर्यपूर्ण समाज स्थापित हो सकते हैं। भारतीय ज्ञान तंत्र में बौद्ध धर्म का अध्ययन एवं प्रसार अब केवल सांस्कृतिक प्रसार या सॉफ्ट पॉवर के औजार भर नहीं हैं। ऐसे प्रयासों के अपने लाभ हैं, पर बौद्ध परंपराओं को बढ़ावा देना अब स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने से जुड़ गया है। लगातार ऐसे शोध सामने आ रहे हैं, जो तनाव, अवसाद, दर्द आदि कम करने में ध्यान के महत्व को स्थापित कर रहे हैं।

ध्यान से लोगों की मानसिक और भावनात्मक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि को भी रेखांकित किया गया है। इस प्रकार, धार्मिक आयामों से इतर बौद्ध परंपरा का अध्ययन भारतीय ज्ञान प्रणाली की एक और विशेषता को इंगित करता है।

यथार्थ की प्रकृति, सहने की अवधारणा और स्वतंत्र होने की राह जैसे बौद्ध धर्म के दार्शनिक तत्व आज की प्रमुख आवश्यकता हैं। नागार्जुन का मध्य मार्ग रेखांकित करता है कि शून्यता ही परिवर्तन और क्रिया को संभव बनाता है। वे इंगित करते हैं कि सारांश के माध्यम से अस्तित्व नहीं टिक सकता क्योंकि तब परिवर्तन असंभव हो जायेगा। तत्वों को अलग–अलग देखने से शुरू करने और फिर एकता की खोज करने वाली समझ पर यह नागार्जुन का प्रहार है।

वे अभिन्न एकता के प्रचारक हैं। अनिश्चितता और उथल–पुथल से जूझती दुनिया में बौद्ध धर्म की निरंतर धरोहर आशा और प्रबोधन के प्रज्वलित मशाल की तरह है। बौद्ध मध्यमार्गी तर्क उस संदर्भ पर बल देता है, जिससे सत्य को जाना जा सकता है। यह विशिष्टतावाद के पश्चिम के वर्चस्ववादी विमर्शों को खारिज करता है।

भ्रामक विज्ञापनों से स्वास्थ्य को नुकसान

अशोक शर्मा

इंटरनेट ने सूचना, संचार एवं संवाद के दायरे को अद्भुत विस्तार दिया है, पर यह भ्रामक विज्ञापनों, फेक न्यूज और धोखाधड़ी का भी बहुत बड़ा ठीहा बन चुका है। यह बेहद चिंताजनक है कि अधिकतर आपराधिक और नकारात्मक विज्ञापन स्वास्थ्य से संबंधित हैं।विज्ञापन मानकों की नियामक संस्था एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया विभिन्न माध्यमों– टीवी, प्रिंट, डिजिटल और ओटीटी– पर आने वाले विज्ञापनों की शिकायतों की जांच में पाया है कि 2023–24 में 19 प्रतिशत से अधिक विज्ञापनों ने नियमों का उल्लंघन किया है। पिछले वित्त वर्ष में कुल 8,229 भ्रामक विज्ञापन चिह्नित हुए, जिनमें 1,569 स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े हैं। अवैध पायी गयीं लगभग 86 प्रतिशत दवाओं का प्रचार डिजिटल मंचों से हो रहा था। ऐसी दवाओं या उपचार के प्रचार पर कानूनी पाबंदी है, जिनमें जादुई गुण होने का दावा किया जाता है। ऐसा करना अपराध है। फिर भी बीते वित्त वर्ष में ऐसे 1,249 विज्ञापनों को रेखांकित किया गया है।हाल के वर्षों में सरकार ने अनेक तरह से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार–प्रसार को प्रोत्साहित किया है। लोगों में भी इनकी स्वीकार्यता बढ़ी है। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए बहुत से विज्ञापन दिये जा रहे हैं, जिनका इरादा लोगों को ठगना है। सेक्स क्षमता बढ़ाने के दावे करते हुए भी बहुत से विज्ञापन दिये जा रहे हैं। काउंसिल के रिपोर्ट ने रेखांकित किया है कि भ्रामक और झूठे विज्ञापन देना लोगों के भरोसे का बेजा फायदा उठाना है तथा ऐसी दवाओं या इलाज से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। हाल में एक प्रतिष्ठित कंपनी को बरगलाने वाले विज्ञापन देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगायी थी।अखबारों और टीवी चैनलों पर काफी हद तक ऐसे विज्ञापनों को रोका जा सकता है और रोका भी जाना चाहिए, लेकिन डिजिटल स्पेस में रोकथाम बहुत मुश्किल है। डिजिटल मंच सूचना, समाचार और संपर्क के सबसे बड़े माध्यम बनकर उभरे हैं। इसलिए वहां विज्ञापनों की बाढ़ आ गयी है। हालांकि नियम–कानून हैं, पर तकनीक की रफ्तार के हिसाब से गलत हरकतों पर काबू करना बहुत बड़ी चुनौती है।एक मुश्किल यह भी है कि दोषियों को पकड़ना आसान नहीं होता और अगर वे पुलिस व कानून की गिरफ्त में आ भी जाते हैं, तो बचकर निकल जाते हैं या उन्हें कठोर सजा नहीं मिलती। इस पहलू पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि अपराधियों का हौसला तोड़ा जा सके। इंटरनेट पर रोग के बारे जानना और दवा खरीदने की घातक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे सूचना महामारी की संज्ञा दी है। हमें हमेशा चिकित्सकों की सलाह का अनुसरण करना चाहिए तथा विज्ञापनों पर आंख बंद कर भरोसा नहीं करना चाहिए।

सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो

हिमानी रावत

बीमार व्यक्ति बड़ी आशा लेकर अस्पताल जाता है कि उसका समुचित इलाज हो सकेगा। लेकिन अनेक अस्पताल अपनी कमाई बढ़ाने के लिए अनुचित तौर–तरीके अपनाते हैं, जो अनैतिक भी है और आपराधिक भी। ऐसी शिकायतों को देखते हुए अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को मान्यता देने वाले राष्ट्रीय बोर्ड (एनएबीएच) ने लिखित चेतावनी दी है कि मान्यता हासिल करने और पैनलों में पंजीकृत होने के लिए अगर उन्होंने फर्जी या गलत दस्तावेज जमा किये, तो उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह चेतावनी 15 मार्च को जारी की गयी थी, पर इसे 16 मई को सार्वजनिक किया गया। इस राष्ट्रीय बोर्ड का गठन 2005 में हुआ था और यह भारतीय गुणवत्ता परिषद की एक इकाई है। एनएबीएच के तहत चलने वाले मान्यता देने के कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो तथा रोगियों को अच्छा उपचार एवं सुरक्षा हासिल हो। बीते वर्षों में यह कार्यक्रम लगातार प्रभावी होता गया है तथा उसकी गणना वैश्विक स्तर के कार्यक्रमों एवं मानकों में होती है। एनएबीएच की चेतावनी में रेखांकित किया गया है कि अस्पतालों की गलत हरकतों और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से मान्यता प्रक्रिया की दृढ़ता तथा बोर्ड के भरोसे को चोट पहुंच रही है। ऐसी शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनमें कहा जा रहा है कि अनेक अस्पताल अपने दावों से कमतर सेवा उपलब्ध करा रहे हैं तथा कई जगहों पर पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। वे अपनी कमियों को छुपाते हैं और कमाई के लालच में रोगियों का शोषण करते हैं।

धीमी है जलवायु परिवर्तन के समाधान की गति

अरुण मैरा

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक संकट गंभीर होता जा रहा है। वैज्ञानिक तापमान वृद्धि रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने पर अड़े हुए हैं। समस्या बढ़ने की तुलना में समाधान की गति धीमी है क्योंकि आधुनिक जलवायु विज्ञान एक अपूर्ण विज्ञान है। भौतिक एवं रासायनिक प्रणाली पर वैज्ञानिकों का अत्यधिक ध्यान है, जिसमें वे ऊर्जा एवं तत्वों के संचरण को बेहतर करना चाहते हैं। इसके साथ–साथ आर्थिक एवं राजनीतिक तंत्र में भी बदलाव आवश्यक है ताकि धन एवं शक्ति का संचरण बेहतर हो सके।

पिछली सदी में उत्पादकता, विकास और जीवन स्तर में बेहतरी ऊर्जा के कार्बन एवं हाइड्रोकार्बन स्रोतों पर लगातार निर्भर होती गयी। इसलिए अन्य ऊर्जा स्रोतों को खोजना और हाइड्रोकार्बन का इस्तेमाल कम करने के उपाय करना बहुत जरूरी है। उत्सर्जन घटाने के लिए जीवनशैली और उत्पादन तंत्रों में बदलाव की दरकार है। साथ ही, सौर ऊर्जा जैसे नवीनीकृत स्रोतों को अपनाया जाना चाहिए। जलीय एवं पवन ऊर्जा से भी धरती के संसाधनों का क्षरण नहीं होता। परमाणु ऊर्जा के साथ घातक कचरे के निपटान से जुड़े जोखिम हैं। हाइड्रोकार्बन ऊर्जा वातावरण में जहर घोलती है, तो परमाणु ऊर्जा सदियों तक भूमि को प्रदूषित बनाये रख सकती है।

ऊर्जा के स्वरूप में बदलाव के लिए आर्थिक संरचनाओं में बदलाव भी आवश्यक हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जो सबसे बड़े और सर्वाधिक लाभ कमाने वाले उद्योग हैं, वे राजनीतिक रूप से भी सबसे शक्तिशाली हैं। अमेरिका जैसे देश, जिनकी जीवनशैली और उत्पादन प्रक्रिया हाइड्रोकार्बन पर आधारित हैं, बदलाव का प्रतिरोध करने में आगे हैं। विलासितापूर्ण जीवन जी रहे धनी लोगों को प्रकृति के साथ साहचर्य में रहने की तात्कालिक आवश्यकता का आभास नहीं है। वे प्रदूषण कम करने व अपने घर को ठंडा रखने के लिए और सामान खरीद सकते हैं।

उन सामानों को बनाने और चलाने के लिए भी ऊर्जा की जरूरत है। इस प्रकार, धरती और उसके वातावरण पर गरीबों की तुलना में धनी लोग कहीं अधिक दबाव बनाते हैं, जबकि सबके लिए उपलब्ध संसाधनों में सबकी न्यायपूर्ण साझेदारी होनी चाहिए। बैंकों एवं वित्तीय सेवाओं समेत सभी उद्योगों के उत्तरोत्तर निजीकरण के कारण अधिक पैसे वाले लोग सार्वजनिक नीतियों को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं।

जलवायु परिवर्तन के मामले में तकनीक के चयन की शक्ति धनी निवेशकों के हाथ में है, जो इस समस्या से सबसे कम प्रभावित हैं तथा उनकी मुख्य चिंता निवेश की कमाई से जुड़ी होती है। इस तरह संपत्ति का प्रवाह शीर्ष की ओर बना रहता है। धनी और धनी हो रहे हैं, आर्थिक विषमता बढ़ती जा रही है। इससे जलवायु परिवर्तन का समुचित समाधान खोजने में और भी देरी हो रही है।कार्बन कटौती पर केंद्रित वैज्ञानिक समझ संकीर्ण है, इसका विस्तार किया जाना चाहिए। पहला विस्तार तत्वों एवं ऊर्जा के संबंध में होना चाहिए। इस जलवायु मॉडल में पृथ्वी पर विभिन्न रूपों में प्रवाहित हो रहे जल का महत्व बहुत अधिक होना चाहिए। इस सदी में जलवायु विज्ञान एवं नीति में कार्बन के केंद्रीय चिंता बनने से बहुत पहले से अरबों लोग पानी की कमी और जल प्रदूषण से जूझ रहे हैं। दूसरी बात यह है कि समाधान सुझाने से पहले वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों को पृथ्वी के प्राकृतिक तंत्रों की समझ को बेहतर करना चाहिए। सीमेंट और इस्पात के इंफ्रास्ट्रक्चर से प्रकृति के जलीय इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया गया है।पहाड़ियों को समतल बना दिया गया है तथा सड़क बनाने एवं शहर बसाने के लिए जलाशयों को पाट दिया गया है। कथित वैज्ञानिक तरीके से पानी के भंडारण और बहाव के प्रबंधन के लिए बड़े–बड़े बांध बना दिये गये हैं। पर्यावरण पर इनका गंभीर असर पड़ा है। जब प्राकृतिक इंफ्रास्ट्रक्चर की जगह मानव–निर्मित इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जाता है, तब जीडीपी बढ़ जाती है। लेकिन जीवन के बने रहने की स्थिति कमतर हो जाती है।

हीरामंडी का नया गाना एक बार देख लीजिए जारी, शर्मिन संग इश्क फरमाते दिखे ताहा शाह

संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार, जिसका प्रीमियर इस महीने की शुरुआत में हुआ था, जिसको लोगों ने काफी पसंद किया। इस फिल्म की कहानी से लेकर एक्टर्स की एक्टिंग और म्यूजिक की दर्शकों ने तारीफ की है। अब इसी बीच शर्मिन सहगल और ताहा शाह के बीच की केमिस्ट्री को प्रदर्शित करने वाला सुखदायक गीत, एक बार देख लिजिये अब आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। आपको बता दें कि हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाज़ार के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बार देख लिजिये गीत को रिलीज कर दिया गया है। इस गाने को संजय लीला भंसाली ने कंपोज किया है और ए एम तुराज ने लिखा है। कल्पना गंधर्व ने रोमांटिक नंबर को अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज दी है।म्यूजिक वीडियो का मुख्य आकर्षण शर्मिन सहगल और ताहा शाह बदुशा के बीच की केमिस्ट्री है। यह गीत उनके पात्रों, ताजदार और आलमजेब के स्नेही क्षणों के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि है। वीडियो में शर्मिन अपने वायरल डायलॉग बोलती हुए नजर आ रहीं हैं, एक बार देख लिजिये, दीवाना बना दीजिये। जलने को है तैय्यर, परवाना बना दीजिये।गीत जारी होने के तुरंत बाद फैंस अपने दमकर लाइक करने के साथ कमेंट कर अपने रिएक्शन दे रहें हैं। उन्होंने गायक के साथ–साथ अभिनेताओं के बीच की केमिस्ट्री की भी सराहना की। एक यूजर ने लिखा, ह्यताज और आलम के साथ यह गाना, आपका दिल चुरा लेता है। इतनी मासूमियत से भरा हुआ, हमें इस तरह का गीत देने के लिए धन्यवाद, मासूम प्यार की खूबसूरती को समझने के लिए आज के समय में बहुत जरूरत है।ह्ल दूसरे यूजर ने लिखा, ह्यसुंदर गीत, गायक की मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज के साथ–साथ ताजदार की मासूम और शुद्ध आंखें + करिश्माई आभा और आलमजेब के सूक्ष्म भावों ने शानदार काम किया है।

धोनी का जलवा कायम! वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा शिकार करने वाले टॉप–5 विकेटकीपर्स की लिस्ट

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का आगाज 1 जून से होना है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में इस मेगा इवेंट का आयोजन होना है। इस टूर्नामेंट का फैंस को भी काफी इंतजार है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बल्लेबाजों को खूब रन बनाते हुए तो देखा ही जाता है। वहीं, गेंदबाजों के अलावा विकेटकीपर्स भी स्टंप के पीछे से कमाल का प्रदर्शन करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शिकार करने वाले टॉप 5 बैटर्स के नाम। लिस्ट में पहले नंबर पर पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी है नाम हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप के इतिहास में 32 मैच में 21 कैच लपके और कुल 11 बैटर्स को स्टंप आउट किया। धोनी की स्टंप के पीछे से स्मार्ट विकेटकीपिंग आज भी फैंस याद करते है।

कमरान अकमल

पाकिस्तान के विकेटकीपर–बल्लेबाज कमरान अकमल 30 मैचों में 30 बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने 12 कैच पकड़े और 18 बल्लेबाजों को स्टंप आउट किया।

डेनिस रामदीन

लिस्ट में तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज डेनिस रामदीन का नाम है, जिन्होंने 29 पारियों में 29 बैटर्स को आउट किया। उन्होंने 18 कैच पकड़े और 9 बल्लेबाजों को स्टंप आउट किया।

कुमार संगाकारा

पूर्व श्रीलंकाई टीम के क्तान कुमार संगाकारा चौथे सबसे सफल विकेटकीपर है, जिन्होंने आईसीसी टी20 विश्व कप के इतिहास में कुल 26 बैटर्स को 31 मैच में चलता किया। इस दौरान उन्होंने 12 कैच लपके और कुल 14 बैटर्स को स्टंप के पीछे से अपना शिकार बनाया।

क्विंटन डिकॉक

लिस्ट में पांचवें नंबर पर क्विंटन डी कॉक का नाम है, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 22 बैटर्स को आउट किया। उन्होंने 18 मैचों में 17 कैच लपके और 5 बैटर्स को स्टंप आउट किया। वह एकमात्र ऐसे खिलाड़ी है, जो इस वक्त इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं।

बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर दिखना होगाः जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा रही हैं। हर दिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं।जैकलीन फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।इस बीच अब हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकलीन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया और कई खुलासे किए।साथ ही साथ जैकलीन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के संघर्षों के बारे में भी कई बातें कहीं।

जब जैकलीन से पूछा गया कि उनके करियर की शुरुआत में उन्हें सबसे बुरी सलाह क्या मिली थी।इसके जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, एक बार मैं जिम में थी और तब मैं बॉलीवुड में नई–नई ही आई थी। वहां एक अभिनेता भी जिम कर रहे थे। मैंने जब उन्हें बताया कि मैं अपने उच्चारण को सुधारने के लिए क्लास ले रही हूं, तब उन्होंने कहा मुझे इसकी जरुरत नहीं है। यहां टिकने के लिए खूबसूरत दिखना जरूरी है।

जैकलीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, अगर आप खूबसूरत दिखेंगी तो आपके लिए सब आसान हो जाएगा। मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। कई बार कई लोगों ने मुझे कहा कि मैं अपने नाक की सर्जरी करवाऊं क्योंकि वह मेरे चेहरे पर सही नहीं लगती, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।हालांकि, जैकलीन मानती हैं कि बॉलीवुड में कई सुंदर बदलाव भी हो रहे हैं।अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह की शूटिंग में व्यस्त हैं।

पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी की पहली झलक आउट

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी का आज 23 मई को एलान हो गया है. साथ ही इस गाने सूसेकी से अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर धमाल करने जा रही है. पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने सॉन्ग सूसेकी का एक प्रोमो जारी किया है और साथ ही बताया है कि यह गाना कब रिलीज होने जा रहा है. इससे पहले बीती 22 मई को पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने सूसेकी की जानकारी मेकर्स ने दी थी. अब फैंस के बीच पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने की डेट सामने आ गई है और अब फैंस को इस तारीख का इंतजार रहेगा.

फाइनल जीतने के बाद गौतम गंभीर का पहला रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का फाइनल जीतने के बाद गौतम गंभीर का पहला रिएक्शन वायरल हो गया है। गौतम गंभीर ने फाइनल जीतने के बाद सोशल मीडिया पर प्रेरणादायक लाइन शेयर की। गंभीर ने कोलकाता नाइटराइडर्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। टीम ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक दशक बाद तीसरा खिताब जीता। गौरतबल हो कि केकेआर की सफलता पर गंभीर का बहुत गहरा प्रभाव रहा। उनकी रणनीतिक मानसिकता और संक्रामक ऊर्जा ने टीम की किस्मत बदल दी, जिसका नतीजा पूरे सीजन में एक प्रभावशाली प्रदर्शन के रूप में सामने आया। एक दशक के लंबे इंतजार के बाद, केकेआर ने आईपीएल ट्रॉफी उठाई।

गंभीर ने शेयर की प्रेरणादायक पोस्ट इस उपलब्धि पर गंभीर ने प्रेरणादायक पोस्ट शेयर किया, जो तेजी से वायरल हो गया। केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर ने एस्क हैंडल पर लिखा, जिसकी मति और गति सत्य की हो, उसका रथ आज भी श्री कृष्ण चलाते हैं। केकेआर को चैंपियन बनाने के बाद गौतम गंभीर की चारो तरफ तारीफ हो रही है।

तीसरी बार केकेआर बना चैंपियन

बता दें कि गंभीर ने अपनी कप्तानी में दो बार कोलकाता नाइटराइडर्स को चैंपियन बनाया। साल 2012 और 2014 में कोलकाता ने आईपीएल ट्रॉफी उठाई थी। उसके 10 साल बाद गंभीर टीम के मेंटर बने और एक बार फिर टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

एक नजर

राजेंद्र ग्रोवर बनें प्रधान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आर्य समाज के वार्षिक चुनाव में सर्वसम्मति से राजेंद्र ग्रोवर को प्रधान चुना गया। उत्तराखंड के आर्य प्रतिनिधि सभा के सदस्य श्याम सिंह की देखरेख में हुए चुनाव में अन्य पदों पर प्रकाशदीप अग्रवाल को वरिष्ठ उपप्रधान, अनिल बत्रा को उप प्रधान, नवीन को मंत्री, आधार ग्रोवर को उप मंत्री बनाया गया। आशुताज वर्मा को पुस्तकालय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। महेश वर्मा, सुशील गुप्ता, शशि सिंघल, आनंद को अंतरंग सदस्य चुना गया।

संगठन के प्रति समर्पित भाव से करें काम

रूद्रप्रयाग : आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका एवं मिनी कार्यकत्री कर्मचारी संगठन ने मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों के उच्चीकरण की मांग पूरी होने पर सरकार का आभार जताया है। सोमवार को आयोजित बैठक में इस उपलब्धि के लिए प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी को सम्मानित किया है। सुमाड़ी में आयोजित संघ की बैठक में जखोली ब्लाक कार्यकारिणी का चुनाव कर राजेश्वरी राणा को पुनः ब्लाक अध्यक्ष, मुन्नी रावत को उपाध्यक्ष, संगीता रावत को कोषाध्यक्ष और विजय बागड़ी को सचिव चुना गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने संगठन की उपलब्धियां गिनाते हुए सभी से शीघ्र सदस्यता शुल्क जमा करने को कहा है। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं से संगठन के प्रति समर्पित भाव से काम करने की अपील की है। इस अवसर पर अगस्त्यमुनि ब्लॉक की नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमन खंडूड़ी के साथ ही समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मान किया गया है।

भीड़ बढ़ने पर यात्रियों को पहले ही सुरक्षित स्थान पर रोकें : आनंद वर्धन

रूद्रप्रयाग : अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने सोमवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर तीर्थयात्रियों के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भीड़ बढ़ने पर यात्रियों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर ही रोका जाए।

केदारनाथ पहुंचने पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने बाबा केदार के दर्शन भी किए। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने कहा कि चारधाम यात्रा में आ रहे श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जिलाधिकारी से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं, यात्रियों को कोई असुविधा न हो, उन्हें सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री द्वारा चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा की जा रही है। (एजेंसी)

डीएम ने जनता मिलन में छः शिकायतों का किया निराकरण

नई टिहरी : सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएम ने मौके पर छह शिकायतों का निस्तारण किया। जबकि अधिकारियों को समस्याओं का समाधान जल्द करने के निर्देश दिए।सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम में ग्राम कंगसाली के मदन चौहान ने डोबरा चांठी-मदननेगी मोटर मार्ग निर्माण से सिरगढ़ नामे तोक में क्षतिगस्त गूल, टैंक, पैदल मार्ग के मरम्मत कार्य तथा प्रतिकर भुगतान की मांग की। जबकि ग्राम मातली भाटूसैंण के दीपक कुमार ने मातली-पटूड़ी सड़क के ऊपर मकान की सुरक्षा के लिए पक्का पुश्ता लगाने की मांग की। डीएम ने 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर कंगसाली व मातली मामलें ईई लोनिवि टिहरी व चंबा को त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण इस तरह से करें, कि शिकायत दोबारा किसी भी स्तर पर रिपीट न हो। इस मौके पर डीडीओ मोहम्मद असलम, सीएमओ डा. मनु जैन, कोषाधिकारी बालक राम, जिला सेवायोजन अधिकारी विनायक श्रीवास्तव, एआरटीओ सत्येन्द्र राज, डीएसटीओ साक्षी शर्मा, डीईओ बेसिक वीके ढौंडियाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी केएस चौहान, जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

योग कार्यशाला में छात्रों ने सीखें योग के गुर

नई टिहरी : गढ़वाल विश्वविद्यालय के टिहरी परिसर बादशाहीथौल सोमवार को शिक्षा विभाग के तीन दिवसीय योग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ गायत्री मंत्र के साथ शिक्षा विभाग के डा. मनोज प्रसाद नौटियाल ने किया। 29 मई तक चलने वाली इस कार्यशाला में छात्रों को योग की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया जायेगा।

सोमवार को कार्यशाला सुबह 8 बजे से 9 बजे तक परिसर के मैदान में आयोजित हुई। जिसमें शिक्षा विभाग के बीएड द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यशाला में बीएड चतुर्थ सेमेस्टर की प्रशिक्षु संजना गुर्जर ने योग शिक्षिका के रूप में योग सिखाते हुए योग को लेकर विभिन्न अहम जानकारियां दीं।

पांच साल बीत गए, कूड़ेदान भी नहीं लगा पाया निगम

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत देवी रोड में सड़क किनारे लगा गंदगी का ढेर

कूड़ेदान के अभाव में सड़क पर जगह-जगह लगा रहता है गंदगी का ढेर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम बनने के बाद जनता को बेहतर विकास की उम्मीद थी। लेकिन, पांच वर्ष का कार्यकाल बीत जाने के बाद भी नगर निगम शहर में कूड़ेदान तक नहीं लगा पाया। नतीजा, जगह-जगह सड़कों पर गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। ऐसे में आसपास के लोगों के साथ ही व्यापारियों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है।

पांच वर्ष पूर्व निगम गठन के दौरान जनता को विकास के बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे। लेकिन, पांच वर्ष बाद की तस्वीर में हालत और अधिक बिगड़ गए हैं। हालत यह है नगर पालिका के समय ग्रामीण कहलाने वाले नए वार्ड के लोग जिस कूड़े का निस्तारण स्वयं करते थे अब उसे निगम के भरोसे सड़क पर फेंक देते हैं। भाबर से लेकर देवी रोड, मानपुर, पदमपुर सहित अन्य स्थानों पर गंदगी के ढेर आसानी से देखे जा सकते हैं। दुर्गंध के कारण व्यापारियों का अपने प्रतिष्ठानों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। देवी रोड निवासी श्याम सिंह, मीना देवी, प्रीति देवी ने बताया कि यदि सड़क किनारे बड़े कूड़ेदान लगाए जाएं तो वार्डवासी उसमें कूड़ा एकत्रित कर सकते हैं। लेकिन, निगम ने आज तक कूड़ेदान लगाने की सुध नहीं ली।

नालियों होती हैं चोक

कई परिवार अपने घरों की गंदगी को सड़क किनारे नाली में डाल देते हैं। जिससे वर्षाकाल के समय नाली चोक हो जाती है और शहर में जलभराव होने लगता है। ऐसी स्थिति में नगर निगम कितनी भी नालियों की सफाई कर लें। लेकिन, जब तक सड़क किनारे खुले में कूड़ा डालने पर रोक नहीं लगेगी व्यवस्था सुधरने वाली नहीं है।

बदमाशों ने दीवार तोड़कर उड़ाया सामान

बदमाशों द्वारा तोड़ी गई दीवार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गिवईस्रोत क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक टैंट गोदाम की दीवार तोड़ वहां रखे बर्तन व अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की इस घटना का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

टैंट गोदाम स्वामी गौरव भाटिया की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि उनका गिवईस्रोत में टैंट व बर्तनों का गोदाम बनाया हुआ है। कुछ दिन पूर्व गिवईस्रोत गदेरे की ओर से उनके गोदाम की दीवार तोड़कर अज्ञात बदमाश टैंट का सामान व बर्तन चोरी कर ले गए हैं। यही नहीं, कोई अज्ञात व्यक्ति नदी के पास से पूरी घटना का वीडियो भी बना रहा था। बताया कि वीडियो में चोरी करते हुए युवा आसानी से दिखाई दे रहे हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत के बाद पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आर्यन और आकृति नागपुर में नेशनल आर्म रेसलिंग में करेंगे प्रतिभाग

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड स्टेटआर्म रेसलिंग प्रो पंजा लीग 80 केजी कैटेगरी में श्रीनगर के आर्यन कंडारी और 65 केजी कैटेगरी में आर्यन की बहन आकृति कंडारी ने गोल्ड मेडल जीता है। दोनों ने गोल्ड जीतकर चैंपियन ऑफ चैंपियन उत्तराखंड का खिताब अपने नाम किया है। दोनों भाई बहनों की सफलता पर श्रीनगर के जन सरोकारों से जुड़े लोगों ने खुशी व्यक्त की हैं।20 साल के आर्यन कंडारी और 16 साल की आकृति कंडारी अब 6 से 10 जून तक नागपुर में नेशनल आर्म रेसलिंग में प्रतिभाग करेंगे और सितंबर से दिल्ली में आर्म रैसलिंग प्रो पंजा लीग रोहतक राउडी की टीम से खेलेंगे। बच्चों के पिता उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी बताते हैं कि उनके दोनों बच्चे इस खेल के माध्यम से अपने श्रीनगर और अपने उत्तराखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। आर्यन और आकृति की कामयाबी पर व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश असवाल, महामंत्री अमित बिष्ट, कोषाध्यक्ष सुमन जोशी, जिला महामंत्री दिनेश पंवार, जिला संयुक्त महामंत्री जगदीप रावत, जिला उपाध्यक्ष आनंद भंडारी, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश पंवार, हिमांशु अग्रवाल, सुजीत अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, डांग व्यापार सभा अध्यक्ष सौरव पांडे, श्रीकोट व्यापार सभा के अध्यक्ष नरेश नौटियाल, महामंत्री त्रिभुवन राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवाण सहित नगर वासियों ने खुशी जाहिर की है।

वन विभाग विस्तृत मेडिकल के बाद ही छोड़ेगा गुलदारों को

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गुलदार ने श्रीनगर में आतंक मचा रखा है। हालांकि वन विभाग को दो गुलदारों को पकड़ने में सफलता मिली है। लेकिन अभी भी श्रीनगर क्षेत्र में गुलदार दिखाई दे रहे है। जिस कारण लोग दहशत में है। श्रीनगर में पिंजरे में कैद हुए दो गुलदारों को वन विभाग विस्तृत मेडिकल परीक्षण के बाद ही छोड़ेगा। आए दिन श्रीनगर में गुलदार के हमलों के बाद वन विभाग के प्रति लोगों में रोष पनप रहा है। गुलदार ने श्रीनगर में आतंक मचा रखा है। अभी तक पिंजरों में वन विभाग ने दो गुलदारों को पकड़ने में सफलता पाई है, हालांकि इस बीच गुलदार क्षेत्र में अभी भी दिखाई दे रहे है। ऐसे में वन विभाग की टीम ने यहां पिंजरे अभी भी नहीं हटाएं है।

गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था में जुटे विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार चढ़ रहे गर्मी के पारे के बीच पक्षियों को पीने का पर्याप्त पानी मिल सकें इसके लिए पदमपुर सुखरो स्थित एसडीकेडी एजुकेशन विद्यालय के छात्र प्रयासों में जुटे हुए हैं। विद्यार्थियों की ओर से मिट्टी के बर्तनों में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की जा रही है। पदमपुर सुखरो स्थित एसडीकेडी एजुकेशनल विद्यालय के विद्यार्थियों ने कुछ ऐसा ही प्रेरणादायक काम किया है। उन्होंने मिट्टी के कटोरों पर पेंट से विभिन्न आकृतियां बनाई और पक्षियों के लिए पानी पीने का इंतजाम किया। ऐसा करने से जहां उन्हें अपने अंदर छिपी कला को प्रदर्शित करने का मौका मिला वहीं पक्षियों के प्रति स्नेह और उनके संरक्षण का भाव भी उत्पन्न हुआ। पूर्व प्रधानाचार्य एवं विद्यालय के संस्थापक द्वारिका प्रसाद ध्यानी की प्रेरणा से बाजार से पचास से अधिक मिट्टी के बने कटोरो को लाया गया। विद्यार्थियों ने इन कटोरों पर स्वयं पेंटिंग कर उन्हें आकर्षित बनाया। इसके पश्चात पेंट किए गए कटोरों को विद्यार्थियों में बांटा गया। बच्चें उन्हें खुशी खुशी घर ले गए। हिमानी कंडवाल, दिव्य भंडारी, सौरभ सिंह, अंशिका जोशी सहित अन्य विद्यार्थियों का कहना है कि यह सब कुछ करने में उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। वे अब किसी प्यासे पंछी को पानी पिलाकर उसकी प्यास बुझा सकेंगे और उनके जीवन को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकेंगे। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका सुमन मैंदोला, अंकिता नेगी, जयंती, आकृति, साधना, ममता जोशी, राखी, संगीता, रश्मि मौजूद रहे।

कोटद्वार में पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए मिट्टी के कटारों पर पेंटिंग करते स्कूली छात्राएं

पंडित जवाहर लाल नेहरू को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महानगर और जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू को पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। इस मौके पर उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का आरंभ स्व. नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि देश को विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के अतुलनीय योगदान के बिना भारत का इतिहास अधूरा है।

कहा कि वे आरंभ से ही महात्मा गांधी से प्रभावित रहे और 1912 में कांग्रेस से जुड़े। 1947 में देश को आजादी मिलने पर उन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया। अपने कार्यकाल में लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करना, राष्ट्र और संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को स्थायी भाव प्रदान करना और योजनाओं के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु रखना उनके उद्देश्य रहे। कार्यक्रम में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय रावत, महावीर रावत, साबर सिंह नेगी, सरदार महेंद्र सिंह, विनीता भारती, कमलेश्वरी देवी, कमल बिष्ट, कुलवंत पुंडीर, मान शेर सिंह सैनी, धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंडित जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

29 जुलाई से लगेगी लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में 29 जुलाई से 03 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए सिविल जज (सी.डि.)/सचित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पुनीत कुमार ने बताया कि उच्चतम न्यायालय में 29 जुलाई से 03 अगस्त तक विशेष लोक अदालत किया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक लंबित वादों का निस्तारण हो सके और जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जनपद के किसी भी व्यक्ति का कोई मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है तो वह 28 जुलाई तक अपने मामले को स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उक्त विशेष लोक अदालत में लगवा सकता है। या इससे संबंधित कोई जानकारी चाहता हो तो वह वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरभाष नं पर तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नं0 15100 व ईमेल पर मेल के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकता है।

पौड़ी को चार धाम यात्रा से जोड़ा जाय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर के स्थानीय लोगों ने चार धाम यात्रा को शहर से जोड़ने की मांग की है। कहा कि चार धाम यात्रा को पौड़ी से जोड़ने पर यात्रियों को जहां सुविधाएं मिलेगी वहीं यहां के लोकल व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा। शहरवासियों ने इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सोमवार को समाजसेवी नीलम जुयाल, लीला ढौंडियाल, नीमा नेगी, प्रीति नेगी आदि ने डीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन दिनों चारधाम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे है। जिसके चलते यात्री ऋषिकेश, हरिद्वार जैसे बड़े शहरों में जाम में फंसकर परेशान है। साथ ही परिवहन व ठहरने के लिए होटल नहीं मिलने से भी परेशान हो रहे है। कहा कि पर्यटन नगरी पौड़ी चारधाम मार्ग के समीप होने के साथ ही ठंडे वातावरण व यात्रियों की सुविधाओं के लिए अनुकूल है। पौड़ी में सरकारी व अर्द्धसरकारी विश्राम गृह, होटल पर्याप्त मात्रा में है। चार धाम यात्रा को पौड़ी से जोड़ने पर यात्रियों को सुविधाएं मिलने के साथ ही यहां के लोकल व्यापारियों को भी फायदा मिलेगा। उन्होंने जिला प्रशासन से इस ओर जल्द सकारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

मेधावी छात्रों का किया सम्मान

नई टिहरी : जौनपुर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज रौतू की बेली में बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्तम अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में सफल रहने के लिए शैक्षणिक सत्र के पहले माह से ही तैयारी शुरू करें।

मतगणना कार्मिकों का हुआ प्रथम रेंडमाइजेशन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तहत आगामी 04 जून को होने वाली मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान की उपस्थिति में कार्मिकों का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न हुआ।

मतगणना (ईवीएम) हेतु 6 विधानसभाओं की 76 टेबलों एवं 09 मतगणना हॉलों के लिए 126 माइक्रो ऑब्जर्वर, 102 सुपरवाईजर व 109 मतगणना सहायक शामिल हैं। जिसमें से 30 प्रतिशत कार्मिकों को आरक्षित रखा गया है, जबकि मतगणना (पोस्टल बैलेट) हेतु 82 माइक्रो ऑब्जर्वर, 82 सुपरवाईजर और 164 मतगणना सहायक कार्मिक तैनात किये गये हैं, जिसमें से 30 प्रतिशत कार्मिकों को आरक्षित रखा गया है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर, डीआईओ एनआईसी अभिषेक श्रीवास्तव, एडीआईओ सूचना सुनील तोमर, सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह उपस्थित थे।

हर फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुने पुलिस अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अपर पुलिस अधीक्षक जया बलोनी ने पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को कोतवाली में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुनने के सख्त निर्देश दिए हैं। कहा कि हर फरियादी को समय से न्याय मिलें यह पुलिस की प्राथमिकता है।

सोमवार को एएसपी जया बलोनी ने कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों व अधिकारियों को जनता के साथ मित्र जैसा व्यवहार रखने के निर्देश दिए। कहा कि जनता को समय से न्याय मिल सकें इसके लिए लंबित विवेचनाओं का जल्द निस्तारण करें।

उन्होंने पुलिस कर्मियों से हथियारों के बारे में भी जानकारी ली। कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी को हथियारों के बारे में बेहतर जानकारी होनी चाहिए। एएसपी ने कार्यालयों में रखे अभिलेखों को चेक करते हुए उनके बेहतर रख-रखाव के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कंप्यूटर कक्षा, सीसीटीवी कैमरा कक्ष का भी निरीक्षण किया।

कोटद्वार कोतवाली का निरीक्षण करती एएसपी जया बलोनी

गढ़ कौथिग में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़ चेतना सामाजिक एवं सांस्कृति संस्था की ओर से आयोजित गढ़ कौथिग में सांस्कृतिक छटा देखने को मिली। महिलाओं व बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

काशीरामपुर तल्ला स्थित पुराना झूलापुल के मैदान में आयोजित मेले के तृतीय दिवस का शुभारंभ पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेश असवाल, निर्वतमान पार्षद अनिल रावत व प्रवेंद्र सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया। पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत ने गढ़ कौथिग आयोजित करवाए जाने की सराहना की है। कहा कि इस प्रकार के मेलों के आयोजन से लोक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। समाज में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अच्छा मौका मिलता है। सर्वप्रथम मन कामेश्वरी कीर्तन मंडली व सखी सहेली कीर्तन मंडली के कलाकारों ने गढ़वाली गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। तत्पश्चात राधा रुकमणि कीर्तन मंडली, राधेश्याम कीर्तन मंडली ने कुमाऊंनी गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी, जिस पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। इस मौके पर सतीश चंद्र, अशोक खंतवाल, अनिल नेगी, ललिता बिष्ट, सुनीता शाही, सर्वेश्वरी पुंडीर मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित गढ़ कौथिग में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती कीर्तन मंडली

प्रशिक्षण को गंभीरता से लें कार्मिक : जिला निर्वाचन अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कलेक्ट्रेट सभागार में सर्विस मतदाताओं के पोस्टल बैलेट की गणना हेतु तैनात 124 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण ले रहे कार्मिकों को निर्देश दिये कि मतगणना से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट के वैध व अवैध मतों के निर्धारण की प्रक्रिया को बारीकी से समझे जाने की आवश्यकता है, ताकि मतगणना त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराई जा सके। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट की गणना में सावधानी से समय सीमा के भीतर मतगणना को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतगणना से संबंधित जो भी दिशा-निर्देश ग्रुप में साझा किये जाते हैं उसे समझे जाने की आवश्यकता है। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर प्रकाश खत्री, जिला शिक्षाअधिकारी बेसिक नागेंद्र बर्तवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

नवोदय विद्यालय गैरसैंण के लिए ब्लॉक के 17 छात्र चयनित

चमोली : राजीव गांधी नवोदय विद्यालय गैरसैंण की जिला स्तर विभिन्न विद्यालयों पर बीते माह हुई प्रवेश परीक्षा में प्रखड के कुल 17 छात्रों का चयन हुया है। खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि कक्षा 6 में कुल 30 सीटों के लिए हुई परीक्षा में 56.67 प्रतिशत छात्र गैरसैंण प्रखंड के छात्र सफल रहे। बताया कि योगेश सिंह राप्राविं जलचौंरा, साहिल सिंह और लक्ष्मी भैडियाणा, तयूव मेहलचौंरी, मयंक आर्य, प्रिया और प्रेरणा सरस्वती शिशु मंदिर बीना, ईशांत कुमार गडौत, प्रियांशु मैलाणा, शिवानी स्यूणी मल्ली, दिया गैरसैंण, मीनाक्षी लाटूगैर, भावना सांरिगगांव, अक्षित ढौंडियाल न्यू होप एकेडमी, प्रवीना बूंगा और ललिता, अनुष्का, राजेश्वरी, करूणा जतन सिंह नंदा सिहं नेगी मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज गैरसैंण सामिल हैं। (एजेंसी)

प्रशासन की संयुक्त टीम ने बाजार में की छापेमारी

चमोली : यात्रा सीजन के द्दष्टिगत प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को जोशीमठ मुख्य बाजार में छापेमारी की। टीम ने कुछ के खिलाफ चालानी कार्यवाही की तो कुछ को मानकों और तय नियमों के अनुरूप ही व्यवसाय करने की चेतावनी दी। तहसीलदार जोशीमठ अर्जुन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में खाद्यान, खाद्य पूर्ति, बाट भार माप, एलपीजी आदि विभागों की संयुक्त टीम ने मुख्य बाजार में सघन जांच अभियान चलाया। खाद्य पूर्ति निरीक्षक सुशील नौटियाल ने बताया कि नगर व आसपास के 4 फिलिंग स्टेशन, एचपी एवं इंडेन गैस एजेंसी, 10 होटल रैस्टोरैंट में जांच की गई । बताया कि नगर के दो होटलों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है।

पुण्यतिथि पर पंडित नेहरू को दी श्रद्धाजंलि

चमोली : पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर सोमवार को गोपेश्वर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आजादी के बाद भारत के विकास की नींव का शिल्पी बताया। कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि देकर याद किया। कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनन्द सिंह पंवार, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह बिष्ट, कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष ऊषा रावत ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

मतगणना में सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण : जिला निर्वाचन अधिकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली मतगणना से संबंधित बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने एनआईसी कक्ष में एआरओ व संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और पोस्टल बैलेट की मतगणना से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतगणना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसमें प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन

करते हुए मतगणना प्रक्रिया को सफल बनायें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि मतगणना में तैनात कार्मिकों को मतगणना की गोपनीयता बनाए रखें। कहा कि मतगणना कार्मिकों को मतगणना कक्ष में मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा नियुक्त एजेंटों को फॉर्म-18 भरना अनिवार्य होगा। कहा कि मतगणना स्थल पर बिना पास की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिन कार्मिकों की मतगणना स्थल पर ड्यूटी लगी है उन सभी कार्मिकों के पास बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान किसी प्रकार की समस्या आती है तो उसकी सूचना तत्काल दें, जिससे उसका समाधान समय पर किया जा सकेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, उपजिलाधिकारी कोटद्वार सोहन सिंह, यमकेश्वर चतर सिंह चौहान, चौबट्टाखाल अनिल चिन्याल, श्रीनगर नूपुर वर्मा, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौधरी, डीएसटीओ राम सलोने, सहायक निर्वाचन अधिकारी शांतिलाल शाह सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की मतगणना को लेकर सभी तैयारियां पूरी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला प्रशासन ने मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन की मतगणना 04 जून को सुबह 8:00 बजे से प्रारम्भ होगी। जिसमें विधानसभावार 14-14 टेबल लगायी जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट हिमांशु खुराना ने एनआईसी सभागार में विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना संपन्न कराने को लेकर समीक्षा बैठक लेते हुए सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल एवं प्रभारी अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने मतगणना स्थल पर नेटवर्किंग व्यवस्था तथा अपरिहार्य स्थिति में नेटवर्क की वैकल्पिक व्यवस्था, पर्याप्त संख्या में कम्प्यूटर लगाने,

बैरिकेडिंग करने, बिजली-पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने, प्रॉपर साइनेज लगाने, कलरवाइज पास वितरित करने व मतगणना हेतु कार्मिकों की नियुक्ति करते हुए प्रशिक्षण की कार्य योजना तैयार करने एवं मतगणना में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रपत्रों, लिफाफों एवं लेखन सामग्री की व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी और मतगणना परिसर के अंदर मोबाइल पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

राज्य कर्मचारियों ने मांगों पर कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने अपनी विभिन्न मांगों पर कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरुण पांडेय और प्रदेश महामत्री शक्ति प्रसाद भटट ने सोमवार को अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्द्धन को पत्र भेजकर अपनी सभी मांगों पर कार्रवाई के साथ ही शासन में पूर्व में हुई बैठक का कार्यवृत्त जारी करने की मांग की।उन्होंने मीडिया को जारी बयान में कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में छह अक्तूबर 2023 को आयोजित हुई बैठक में कर्मचारियों की कई मांगों पर सैद्धांतिक सहमति बन गई थी। इनमें कुछ पर कार्रवाई हो चुकी है। लेकिन बैठक का कार्यवृत्त आज तक जारी नहीं हो पाया है। उन्होंने मांग की कि बैठक का कार्यवृत्त जारी करने के साथ ही परिषद की सभी मांगों पर जल्द कार्रवाई की जाए। उन्होंने कर्मचारियों की एसीपी की समस्या का समाधान करने, विभिन्न संवर्ग के कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने, पदोन्नति में शिथिलीकरण की व्यवस्था को बहाल करने, गोल्डन कार्ड के तहत ओपीडी में कैशलेस इलाज की सुविधा देने, एएनएम को अन्य संवर्गों की भांति मकान किराया भत्ता देने और भंडार कर्मियों की समस्याओं का भी समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि परिषद की 23 सूत्रीय मांगों पर जल्द कार्रवाई की जाए।

विनोद जिलाध्यक्ष व भुवनेश बनें महामंत्री

नई टिहरी : राजकीय औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संगठन जनपद टिहरी गढ़वाल की सोमवार को नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में जिलाध्यक्ष विनोद बिष्ट और जिला महामंत्री भुवनेश प्रसाद सेमवाल को चुना गया। चुनाव अधिकारी चंद्रशेखर पांडेय बताया कि कर्मचारी संगठन की कार्यकारिणी को सर्वसम्मति से चुना गया है। चुनाव के बाद सभी पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह रावत, उपाध्यक्ष महिला नौशाबा प्रवीन, उपाध्यक्ष शूरवीर सिंह असवाल, कोषाध्यक्ष अनुराग नेगी को चुना गया है। इस मौके पर कार्यक्रम संचालन विनोद बडोनी ने किया। (एजेंसी)

सरकार ने पीआरडी जवानों का कराया 10 लाख का बीमा

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में अपने कार्यों से यात्रियों का दिल जीत रहे पीआरडी जवान

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में ड्यूटी के लिए तैनात पीआरडी जवान अपने कार्यों से यात्रियों का दिल जीतने का कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से भी पीआरडी जवानों के लिए तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार इन जवानों का पहली बार 10 लाख रुपये तक का बीमा कराया गया है, साथ ही उनके भोजन-पानी की भी प्रशासन के स्तर से बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं।

गौरतलब है कि केदारनाथ पैदल मार्ग में कठिन परिस्थितियों के बीच पीआरडी के ये जवान श्रद्धालुओं की सेवा से लेकर रेस्क्यू तक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं तो म्यूल टास्क फोर्स के अंतर्गत घोड़े-

खच्चरों के मानक अनुसार संचालन का कार्य भी देख रहे हैं। श्री केदारनाथ धाम तक पैदल यात्रा मार्ग को सात पड़ाव में बांटा गया है। हर पड़ाव पर समान्य ड्यूटी के लिए पीआरडी के 06 और रेस्क्यू एवं अन्य कार्यों के लिए डीडीआरएफ के 06 जवान तैनात हैं। इसके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट अधिकारियों के साथ म्यूल टास्क फोर्स के जवान तैनात हैं जो नियमित रूप से घोड़ा-खच्चर संचालन के लिए बनाए गए नियम-कानूनो का पालन करा रहे हैं। तत्परता से ड्यूटी करने वाले पीआरडी जवानों की सेहत का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इस वर्ष पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुने लोगों की ड्यूटी यात्रा मैनेजमेंट में लगायी गई है। जिससे जवान यात्रा में सुगमता से ड्यूटी कर सकें एवं उनकी सेहत भी ठीक रहे। यात्रा मार्ग पर मुस्तैदी से ड्यूटी करने वाले पीआरडी जवानों के लिए विशेष पहल करते हुए उनकी ड्यूटी में सुधार किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने बताया कि पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुने पीआरडी जवानों की ड्यूटी यात्रा में लगायी गयी है। जहां पिछले साल यात्रा के दौरान 50 के आसपास ही पीआरडी जवान यात्रा मैनेजमेंट का हिस्सा होते थे तो इस वर्ष 90 से 95 जवानों को यात्रा मैनेजमेंट में लगाया गया है। इससे जवानों की ड्यूटी रोटेशन में लगायी जा रही है ताकि ड्यूटी के दौरान उन्हें आराम मिल सके। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से इन्हें राशन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि खाने की कोई समस्या न हो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी संभाल रहे हैं।

बाणाधार में हुआ काली माता और बाशिक महासू महाराज का मिलन

विकासनगर। जखोली मेले से पहले पूजन प्रवास के लिए बाशिक महासू देवता की पालकी सोमवार को अपने मूल मंदिर मैंद्रथ से काली माता मंदिर बाणाधार के लिए रवाना हुई। दोपहर 12 बजे मैंद्रथ मंदिर से देवता की पालकी गाजे बाजे के साथ गर्भगृह से बाहर निकली। देव पालकी का त्यूणी, सुखेड़, दारागाड समेत जगह–जगह भव्य स्वागत किया गया।भीषण गर्मी में भी श्रद्धालुओं में पालकी को कंधा लगाने की होड़ लगी रही। बजीर शाठीबिल दीवान सिंह राणा ने बताया सोमवार को बाशिक महासू देवता की पालकी काली माता के विशेष आग्रह पर बाणाधार में रात्रि प्रवास करेंगी। उधर, बाणाधार में सुबह से ही श्रद्धालुओं देव दर्शन को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ था। आसपास के कई गांवों समेत हिमाचल प्रदेश, उत्तरकाशी से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाणाधार पहुंचे। जबकि काली माता के देव कारिंदे रविवार शाम हो ही बाणाधार के मंदिर में पहुंच चुके थे।

बरसात से पहले किए जाएं बाढ़ सुरक्षा कार्यः पुंडीर

विकासनगर। सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर के सुद्धोवाला स्थित कैंप कार्यालय में सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहसपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम जनमानस की सड़क, पेयजल, विद्युत, सिंचाई, स्वास्थ्य आदि से संबंधित समस्याओं को सुना। जिनमें से अधिकतर का मौके पर ही उन्होंने समाधान किया गया, जबकि कुछ समस्याओं के जल्द निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में धूलकोट के ग्रामीण रतन सिंह ने बताया कि अंधेरा होते ही गांव के पास से गुजर रहे हाईवे पर किन्नरों का जमावड़ा लग जाता है जो हर आने जाने वाले को परेशान करते हैं। विधायक ने पुलिस कप्तान को धूलकोट में पुलिस पिकेट बनाने के निर्देश दिए। हसनपुर–कल्याणपुर की पूर्व प्रधान आबिदा ने कहा कि गांव की सीमा में पांच बरसाती नाले बहते हैं। किसी भी नाले पर बाढ़ सुरक्षा कार्य नहीं किए गए हैं। बीते साल बरसात में भूलराव नाले का मलबा ग्रामीणों के घरों और खेतों में घुस गया था, जिससे उन्हें काफी नुकसान झेलना पड़ा। सहसपुर के तरुण बिष्ट ने कहा कि टीचर कॉलोनी को जाने वाला संपर्क मार्ग जर्जरहाल में है। बरसात के दौरान मार्ग पर पड़े गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे आवागमन मुश्किल हो जाता है। सभावाला के निसार अहमद ने राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सभावाला में पेयजल किल्लत का मुद्दा उठाया। कहा कि इन दिनों विद्यालय में अवकाश है, लिहाजा नई पेयजल लाइन बिछाने के लिए यह सही समय है। फुलसैनी के अरुणेंद्र नेगी, मातवर सिंह बिष्ट ने विधायक को बताया कि गांव के संपर्क मार्गों का सुधारीकरण नहीं हुआ है।

कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए बसाई अनियोजित बस्तियां : चौहान

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने सोमवार को बलवीर रोड स्थिति भाजपा प्रदेश मुख्यालय से बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए राज्य में अनियोजित बस्तियां बसाई। जबकि भाजपा बस्ती वासियों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश लेकर आई।

चौहान ने कहा कि भाजपा ने अध्यादेश के जरिए मलिन बस्ती वासियों को किसी भी कार्रवाई से सुरक्षित रखने का भरोसा दिलाया है। चौहान ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई एनजीटी के आदेश के अनुसार हो रही है। लेकिन विपक्ष इस बहाने निकाय चुनाव की राजनीति के लिए फील्डिंग सजा रहा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा ही आपदा में अवसर की तलाश में रहती है ओर इस मामले में राजनीति कर रही है।

रविन्द्र अध्यक्ष तो हिमांशु बनें महासचिव

नई टिहरी : टीएचडीसी आफिसर्स एसोसियेशन की वार्षिक जनरल बैठक सोमवार को संपन्न हुई। जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन कर अध्यक्ष रविंद्र सिंह राणा और महासचिव हिमांशु चक्रवर्ती को चुना गया।

आयोजित बैठक में टीएचडीसी के ईडी एलपी जोशी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जबकि कर्मियों ने तत्परता से प्रतिभाग किया। जोशी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसियेशन के साथ मिलकर टीएचडीसी को ऊंचाइयों पर ले जाने का काम किया जायेगा। मीटिंग में अधिकारियों के लिए किए गए कार्यों एवं आगे किए जाने वाले कार्यों के बारे विस्तृत जानकारी पटल पर रखी गई। गहन विचार विमर्श के पश्चात आगे के वर्षों के लिए कार्यकारिणी का गठन सभी उपस्थित सदस्यों के सहमति किया गया। जिसमें अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष बीएस पुंडीर तथा अनिल त्यागी, महासचिव हिमांशु चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष रोबिन सिंघल, सलाहकार संजय महर, प्रवक्ता मोहम्मद वसीम को बनाया गया।

जिसके बाद फैसला लिया गया कि सह सचिवों एवं कार्यकारणी के सदस्यों का गठन निर्वाचित किए गए अधिकारी सभी प्रोजेक्टों एवं सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए करेंगे। मीटिंग में इसी माह में सेवानिवृत हुये निवर्तमान अध्यक्ष महेश रमोला को टीएचडीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्वागत कर सम्मानित किया। (एजेंसी)

छात्रों ने सीमांत गांव गंगी का भ्रमण कर जुटाई जानकारी

नई टिहरी : गढ़वाल विवि श्रीनगर के छात्र छात्राओं ने सोमवार को सीमांत गांव गंगी का शैक्षिक भ्रमण कर जानकारी जुटाई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने गांव में साफ-सफाई कर 5 कुंतल कूड़ा एकत्र किया।

गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर भूगोल विभाग के 50 छात्र-छात्राएं के प्रो. एमएस पंवार और राकेश सैनी के निर्देशन में भिलंगना के सीमांत गांव गंगी पहुंचे।

जहां छात्र-छात्राओं ने खतलिंग ग्लेशियर, जड़ीबूटी खेती के साथ गांव का सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय अध्ययन किया। ग्रामीणों ने छात्र-छात्राओं को बताया कि पहले खतलिंग ग्लेशियर ट्रैकर, साधु सन्यासी और घुमंतू लोग जाते थे, लेकिन यह पहली बार हुआ के गंगी जैसे सीमांत गांव में कॉलेज के छात्र-छात्राएं गांव पहुंचे।

छात्र-छात्राओं ने गांव के प्रत्येक परिवार से वार्ता कर ग्रमीणों की मेहनत, परिश्रम के साथ उनकी विकट भौगोलिक परिस्थितियों में जीवन यापन करने से जुडी समस्याओं को जाना। प्रो. एमएस पंवार, डॉ. राकेश सैनी ने छात्रों को बताया कि भूगोल के विद्यार्थियों को प्राकृतिक भू-द्दश्यों के साथ गांव व समाज के दैनिक जीवन, पर्यावरण, वातावरण, कृषि आदि की जानकारी होनी अति आवश्यक है। साथ ही आम लोगों की आर्थिकी को कैसे बढ़ाया जाय और पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को कैसे जागरूक किया जाय। उन्होंने कहा कि अन्य विश्व विद्यालयों, कॉलेजों, को भी हिमालयी क्षेत्रों के ऐसे सीमांत गांवो में छात्रों का भ्रमण करवाया जाना चाहिए, जिससे बच्चों को नजदीकी से हिमालयी क्षेत्रों से लगे गांवों की जानकारी मिल सके। छात्रों के दल ने ग्रामीणों द्वारा की जा रही जड़ीबूटी खेती के साथ गांव के प्रत्येक परिवार का सर्वेक्षण भी किया। गांव के लोगों को सफाई से रहने के साथ कूड़ा कचरा को साफ कर पॉलीथिनों का प्रयोग न करने के प्रति जागरुक किया। दल में डॉ. राकेश सैनी, डॉ. रंजन, डॉ. धीरज, डॉ. मुकेश नैथानी, भरत सिंह गुसाईं सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। (एजेंसी)

छात्रों को मिले फॉर्म में संशोधन का मौका

विकासनगर। डाकपत्थर पीजी कॉलेज के छात्रसंघ की ओर से प्राचार्य के माध्यम से सोमवार को उच्च शिक्षा निदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसके माध्यम से उन्होंने समर्थ पोर्टल पर जिन छात्रों ने त्रृटिपूर्ण फार्म भरे हैं उन्हें फार्म में संशोधन का मौका देने की मांग की है।ज्ञापन में छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष बिष्ट ने कहा कि जानकारी नहीं होने से कई छात्रों ने पोर्टल पर चल रही प्रवेश परीक्षा के फार्म में गलतियां की है। जिससे छात्रों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग की है कि छात्रों को संशोधन के लिए एक बार मौका दिया जाए। ज्ञापन देने वालों में छात्रसंघ के पूर्व महासचिव राहुल तोमर, प्रवीण सुमाण, विशाल, कंचन, विशाल शर्मा, ऋषभ शर्मा आदि मौजूद रहे।

Affiliation No. ITI (DGET-6/33/9/2014-TC)
चन्द्रप्रभा
आई.टी.आई
NCVT – द्वारा मान्यता प्राप्त इलैक्ट्रीशियन ट्रेड
प्रवेश प्रारम्भ
पहले आओ – पहले पाओ सीमित सीटें।
100% Job PLACEMENT ASSISTANCE
6 महीन का फ्री कंप्यूटर कोर्स
- BITS (पिलानी), रक्षा मंत्रालय के अनुभवी लोगो के साथ कार्य करने का अनुभव
- रक्षा मंत्रालय एंव सरकारी गैर सरकारी अधिकारियों के द्वारा साप्ताहिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करना ।
- विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों में अप्रेंटिस करवाना।
- आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इलैक्ट्रीशियन वर्कशॉप।
- पर्सनल्टी डेवलप्मेंट एंव सरकारी, गैर सरकारी नौकरियों के लिये प्रशिक्षण प्रदान करना।
- सरकारी एंव गैर सरकारी सस्थानों में तकनीकी जानकारी हेतु विजिट करवाना।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें
पताः– सत्तीचौड़, कोटद्वार – पौड़ी गढ़वाल
Mob:- 9759462406, 9759462406

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com